



Vijay Singh



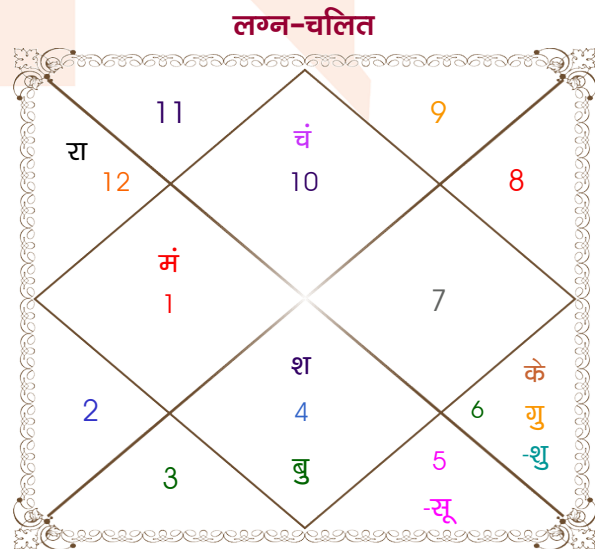
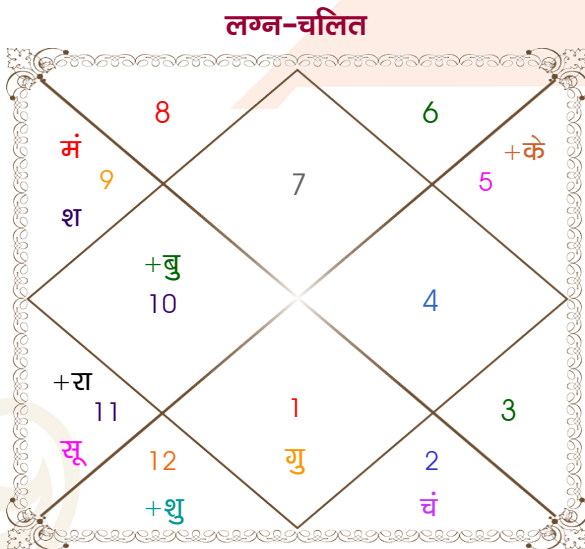
Khushi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121637006

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
 24/02/1988 : _____ जन्म तिथि _____ : 18/08/2005
 बुधवार : _____ दिन _____ : गुरुवार
 घंटे 22:00:00 : _____ जन्म समय _____ : 18:00:00 घंटे
 घटी 37:58:51 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 30:26:26 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Aligarh : _____ स्थान _____ : Palwal
 27:54:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 28:09:00 उत्तर
 78:04:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 77:20:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:17:44 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:20:40 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 06:48:27 : _____ सूर्योदय _____ : 05:52:03
 18:14:05 : _____ सूर्यास्त _____ : 18:56:25
 23:41:32 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:56:05

विंशोत्तरी चन्द्र 7वर्ष 2मा 29दि गुरु 25/05/2020 25/05/2036	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी चन्द्र 6वर्ष 10मा 2दि राहु 22/06/2019 21/06/2037		
गुरु	13/07/2022	13:07:22	तुला	लग्न	मक	15:28:50	राहु	04/03/2022
शनि	23/01/2025	03:43:08	कुंभ	सूर्य	सिंह	01:43:26	गुरु	27/07/2024
बुध	01/05/2027	24:03:49	वृष	चंद्र	मक	14:12:43	शनि	03/06/2027
केतु	06/04/2028	07:08:27	धनु	मंगल	मेष	17:25:59	बुध	21/12/2029
शुक्र	06/12/2030	29:33:23	मक	बुध	कर्क	15:09:27	केतु	08/01/2031
सूर्य	24/09/2031	29:33:23	मेष	गुरु	कन्या	22:08:29	शुक्र	08/01/2034
चन्द्र	23/01/2033	06:39:58	मीन	शुक्र	कन्या	07:43:00	सूर्य	03/12/2034
मंगल	30/12/2033	15:54:27	धनु	शनि	कर्क	10:16:48	चन्द्र	03/06/2036
राहु	25/05/2036	18:51:43	कुंभ व	राहु व	मीन	20:47:49	मंगल	21/06/2037
			सिंह व	केतु व	कन्या	20:47:49		
			धनु	हर्ष व	कुंभ	15:23:05		
			धनु	नेप व	मक	22:00:08		
			तुला व	प्लूटो व	वृश्चि	27:56:53		



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सर्प	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि टपरंलैपदही का नक्षत्र रोहिणी है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि झीनीप का नक्षत्र श्रवण है।

टपरंलैपदही का वर्ग मृग है तथा झीनीप का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार टपरंलैपदही और झीनीप का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

टपरंलैपदही मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

झीनीप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।

कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल झीनीप कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल झीनीप कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि टपरंलै पदही कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

टपरंलै पदही तथा झीनीप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

